भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2961

17 दिसम्बर, 2025 के लिए प्रश्न

एथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम के अंतर्गत फसल के विविधीकरण के कारण खाद्यान्न पर प्रभाव

2961. श्री बलवंत बसवंत वानखड़े:

क्या उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा वर्ष 2024-25 से एथेनॉल उत्पादन के लिए आवंटित चावल का ब्यौरा और मात्रा क्या है;

(ख) क्या सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के किसी चावल को एथेनॉल उत्पादन के लिए उपयोग किया गया है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) एथेनॉल उत्पादन के लिए आवंटित मक्का का ब्यौरा और मात्रा क्या है तथा कुक्कुट पालन के क्षेत्र में चारे की उपलब्धता पर इसका क्या प्रभाव है;

(घ) क्या खाद्यान्न के विविधीकरण के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों का आकलन करने के लिए कोई अंतर-मंत्रालयी समीक्षा तंत्र मौजूद है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा खाद्य या चारा संबंधी परिणामी सुरक्षा जोखिमों को कम करने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क) और (ख): एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2024-25 और ईएसवाई 2025-26 के लिए एथेनॉल उत्पादन हेतु एथेनॉल डिस्टिलरियों को आवंटित एफसीआई चावल की मात्रा तथा एथेनॉल डिस्टिलरियों द्वारा उठाई गई एफसीआई चावल की मात्रा निम्नानुसार है:

एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई)	**एफसीआई चावल की आवंटित मात्रा**	**डिस्टिलरियों द्वारा उठाई गई एफसीआई चावल की मात्रा (लाख टन में)**

	(लाख टन में)	
2024-25	52	31.83
2025-26	52	4.58 (दिनांक 11.12.2025 तक)

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), बफर स्टॉक बनाए रखने और लक्षित पीडीएस एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं (ओडब्ल्यूएस) की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रावधान करने के बाद, केंद्रीय पूल से केवल अतिरिक्त स्टॉक को मुक्त बाजार बिक्री योजना (घरेलू) [ओएमएसएस (डी)] के तहत बेचता है। चावल के संचित अधिशेष स्टॉक को एफसीआई द्वारा एथेनॉल उत्पादन के लिए कच्चे माल के रूप में आवंटित किया जाता है।

(ग): एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2024-25 और ईएसवाई 2025-26 के दौरान मक्का आधारित एथेनॉल की आपूर्ति/आवंटन के अनुसार उपयोग की गई/उपयोग की जाने वाली मक्का की मात्रा निम्नानुसार है:

एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) (नवम्बर-अक्तूबर)	**मक्का आधारित एथेनॉल की आपूर्ति/आवंटन (करोड़ लीटर में)**	**उपयोग की गई/उपयोग की जाने वाली मक्का की मात्रा (लाख टन में)**
2024-25	477.8	125.75
2025-26	478	125.78

वर्ष 2024-25 के लिए खाद्यान्न उत्पादन के अंतिम अनुमानों के अनुसार, मक्का का उत्पादन काफी बढ़कर लगभग 434 लाख टन हो गया है। मक्का की मात्रा एथेनॉल उत्पादन,

कुक्कुट पालन और अन्य उद्देश्यों की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। चारे की उपलब्धता बनाए रखने के लिए, कुक्कुट पालन उद्योग चावल की भूसी, टूटा चावल, बाजरा और गेहूं के अवशेष जैसे अन्य घरेलू रूप से उपलब्ध सामग्रियों को भी अपना रहा है।

(घ) और (ङ): सरकार देश में खाद्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग देश में खाद्यान्न की उपलब्धता की नियमित रूप से निगरानी/समीक्षा करता है और गेहूं एवं चावल का बफर स्टॉक बनाए रखता है। एफसीआई के अधिशेष चावल का उपयोग एथेनॉल उत्पादन के लिए तभी किया जाता है जब बफर स्टॉक बनाए रखने और लक्षित पीडीएस एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं (ओडब्ल्यूएस) की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रावधान करने के बाद यह अतिरिक्त मात्रा में उपलब्ध हो।

मक्का एथेनॉल उत्पादन के लिए सबसे बड़ा कच्चा माल बनकर उभरा है और एथेनॉल उत्पादन के लिए कच्चे माल के रूप में मक्का का उपयोग करने के बाद भी देश में पर्याप्त मक्का उपलब्ध है।

सरकार एथेनॉल उत्पादन के लिए कच्चे माल के आधार को विविधतापूर्ण बनाने के उद्देश्य से एथेनॉल उत्पादन के लिए एक वैकल्पिक कच्चे माल के रूप में मीठे ज्वार की व्यवहार्यता का अध्ययन कर रही है।

*****